International Journal of Advanced Academic Studies 2020; 2(1): 333-337

E-ISSN: 2706-8927
P-ISSN: 2706-8919
Impact Factor: RJIF 5.12
IJAAS 2020; 2(1): 333-337
Received: 15-11-2019
Accepted: 22-12-2019

डॉ प्रतिभा पाल
असिस्टेंट प्रोफेसर, गृहविज्ञान, गांधी शताब्दी स्मारक स्नातकोत्तर महाविद्यालय, कोयलसा आजमगढ, उत्तर प्रदेश, भारत

Corresponding Author:
डॉ प्रतिभा पाल
असिस्टेंट प्रोफेसर, गृहविज्ञान, गांधी शताब्दी स्मारक स्नातकोत्तर महाविद्यालय, कोयलसा आजमगढ, उत्तर प्रदेश, भारत

कोविड 19 में बच्चों की ऑनलाइन शिक्षा का विश्लेषण

डॉ प्रतिभा पाल

सारांश
प्रस्तुत अध्ययन के अंतर्गत कॉविड 19 महामारी के कारण शिक्षा व्यवस्था में हुए आमूल चूल परिवर्तनों का विश्लेषण करना है । इस वैश्विक महामारी को नियंत्रित करने हेतु लॉकडाउन जैसे महत्वपूर्ण तथा ठोस कदम सरकार द्वारा उठाए गए है हालांकि कोई भी राष्ट्रीय विभाग चाहे देश का चिकित्सा तंत्र हो, रेल तंत्र हो, राजनीतिक तंत्र, शिक्षा तंत्र हो या अन्य कोई भी इस महामारी के प्रकोप से वंचित नहीं रहा है । इसके प्रभाव प्रत्येक क्षेत्र में देखने को मिल रहे है जब इन्हें बंद करना पड़ा है। अतः इस विषय में अध्ययन करना बेहद कारगर सिद्ध होगा।

मूल शब्द: ऑनलाइन शिक्षा, Swayam, Diksha, Mooc, कॉरोना, लॉकडाउन

प्रस्तावना
आज पूरा विश्व कोविड-19 महामारी के प्रकोप से गुजर रहा है विश्व का कोई भी ऐसा देश नहीं है जो इस महामारी से अछूता रहा हो। इस वैश्विक महामारी ने किसी भी राष्ट्र की उन्नति में शामिल उन सभी क्रियापलापो को व्यापक स्तर पर प्रभावित किया है। भारत मैं भी इसे नियंत्रित करने की दिशा में कई महत्वपूर्ण कदम उठाए गए हैं जिसमें लॉकडाउन, सोशल डिस्टेंसिंग का पालन, कंटेनमेंट जोन बनाना, मास्क का प्रयोग करना आदि सम्मिलित हैं। ऐसी परिस्थिति में जहां एक तरफ देश के सभी उद्योग धंधे बंद हैं वही देश के बड़े-बड़े विश्वविद्यालय महाविद्यालय तथा प्राथमिक एवं उच्च प्राथमिक स्तर के विद्यालयों को भी बंद करना पड़ा है जिसका सीधा प्रभाव स्कूली बच्चों पर पड़ा है। इस परिस्थिति के एक उपाय के रूप में ऑनलाइन शिक्षा या e learning का प्रचलन भी बढ़ने लगा है। e लर्निंग से तात्पर्य इस प्रकार की शिक्षा से है जो दूरगामी बैठे किसी भी छात्र या छात्रा तक इंटरनेट की उपस्थिति में शिक्षा की पहुंच को सुगम बनाता है । इस प्रकार की शिक्षा व्यवस्था हेतु कई विद्यालय और केंद्र सरकार ने ऑनलाइन शिक्षा को प्राथमिकता देने की बात कही है तथा इस दिशा में कई महत्वपूर्ण परिवर्तन भी किए गए है।

अध्ययन उद्देश्य

प्रस्तुत अध्ययन का मुख्य उद्देश्य कोविड 19 महामारी के दौरान देश की शिक्षा व्यवस्था में आए परिवर्तनों की समीक्षा करना है जिसे निम्न बिंदुओं के तहत समझा जा सकता है

1. ऑनलाइन शिक्षा की अवधारणा तथा चुनौतियों का अध्ययन करना ।
2. ऑनलाइन शिक्षा के नवीन साधनों या तरीको का विश्लेषण कर उनकी उपयोगिता का अध्ययन करना ।

ऑनलाइन शिक्षा की अवधारणा

ऑनलाइन शिक्षा की अवधारणा कई वर्षों प्राचीन है परंतु इसे 1993 में कानूनी मान्यता मिली । हालांकि ऑनलाइन शिक्षा अपने शुरुआती चरणों में इतनी लोकप्रिय नही थी परंतु कोरॉना महामारी के कारण इसका प्रभाव क्षेत्र विस्तृत हुआ है। इसका मूल उद्देश्य स्कूल न जा सकने वाले विद्यार्थियों हेतु शिक्षण सामग्री की उपलब्धता को सुनिश्चित करना है। सरल शब्दों में कहें तो ऑनलाइन शिक्षा उस प्रणाली को कहते हैं जिसके द्वारा विद्यार्थी अपने ही घर में बैठकर इंटरनेट, स्मार्टफोन, कंप्यूटर, लैपटॉप, टेलीविजन, रेडियो तथा टेबलेट के द्वारा शिक्षा प्राप्त कर सकें। उदाहरण के तौर पर राजस्थान सरकार द्वारा स्कूली विद्यार्थियों को इस्माइल प्रोजेक्ट नामक वर्चुअल साधनों की मदद से व्हाट्सएप के जरिए विद्यार्थियों को पाठ्य सामग्री प्रदान की जा रही है। इस प्रोजेक्ट के तहत प्रतिदिन ऑडियो वीडियो तथा स्टडी मैटेरियल विद्यार्थियों तक पहुंचाए जाते हैं तथा स्कूली शिक्षा को सुनिश्चित करने की दिशा में प्रयास किए जा रहे हैं।

ऑनलाइन शिक्षा की चुनौतिया

1. ऑनलाइन शिक्षा को अपनी बहुतेरी चुनौतियों के कारण समाज के प्रत्येक वर्ग तक पहुंचा पाना थोड़ा कठिन सा प्रतीत होता है जिसके आधार में निम्न चुनौतियों की संभावनाओं का उपलब्ध होना मुख्य चुनौती है।
2. ऑनलाइन उपकरणों के सही प्रयोग के संबंध में शिक्षक तथा छात्र का प्रशिक्षित ना होना।
3. आर्थिक रूप से पिछड़े परिवारों के बच्चों तक ऑनलाइन शिक्षा का न पहुंच पाना
4. सुदूर तथा पिछड़े क्षेत्रों में इंटरनेट आदि की उपलब्धता ना होना।
5. गरीबी रेखा से नीचे जीवन यापन करने वाले ऐसे परिवार जिनके बच्चो के पास स्मार्टफोन उपलब्ध नहीं है।
6. आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के बच्चों में ऐसी स्थिति उत्पन्न हो जाना जब एक ही कक्षा में पढ़ने वाले दो या दो से अधिक बच्चों हेतु एक ही स्मार्ट फोन उपलब्ध होना।
7. ऐसे ग्रामीण क्षेत्रों के बच्चे जहां बिजली की अनुपलब्धता भी एक चुनौती के रूप में सामने आती है।
8. कक्षा नर्सरी से प्राथमिक कक्षाओं तक के बालकों की ऑनलाइन शिक्षा में माता-पिता का सहयोग ना कर पाना।
9. बच्चो द्वारा निरंतर ऑनलाइन उपकरणों के समक्ष बने रहने पर आंखों तथा सर में दर्द या तनाव जैसी समस्याओं का उत्पन्न होना जिससे बालक चिड़चिड़ा हो जाता है।
10. ऑनलाइन शिक्षण वातावरण के विपरीत पारिवारिक वातावरण में सामंजस्यता का अभाव।
11. प्राय यह देखा गया है कि एक ही कक्षा में पढ़ने वाले विभिन्न विद्यार्थियों में व्यवस्थाएं पाई जाती हैं अतः ऐसी स्थिति में ऑनलाइन शिक्षा द्वारा सभी विद्यार्थियों का समीक्षात्मक मूल्यांकन कर पाना आसान नहीं होता है।
12. शिक्षक द्वारा ऑनलाइन शिक्षा के तहत परीक्षा आदि आयोजित करवाने की स्थिति में संदेह बना रहता है।

13. ऑनलाइन शिक्षा में प्रयुक्त उपकरण विद्यार्थी को अधिक स्वतंत्रता प्रदान करते हैं ऐसी स्थिति में अबे अपने मन मुताबिक कार्य करने लग जाते हैं अथवा उनमें अनुशासनहीनता का भाव देखने को मिलता है

ऑनलाइन शिक्षा के तरीके/साधन

1. पीएम **e**-विद्या - इसका प्रारंभ मई 2020 में किया गया है । इस योजना का मुख्य उद्देश्य देश में ऑनलाइन शिक्षा को बढ़ावा देना तथा डिजिटल सामग्री उपलब्ध करवाना है। इस योजना का शुभारंभ केंद्रीय मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा आत्मनिर्भर भारत मिशन के तहत की गई है।
2. **NIOS** राष्ट्रीय मुक्त विद्यालय संस्थान - इसके अंतर्गत स्वयं MOOC के तहत 92 पाठ्यक्रम ऑनलाइन किए गए है जिसके अंतर्गत 1.5 करोड़ विद्यार्थियों ने नामांकन लिया है । NIOS ने लोकडाउन के परिणाम स्वरूप विद्यार्थियों के कल्याण हेतु www. mooc.nios.ac.in पर व्यवसायिक पाठ्यक्रम की व्यवस्था की है जिसका उद्देश्य स्वास्थ्य आपदा के दौरान विद्यार्थी घर पर ही अपने पाठ्यक्रम को पूरा कर सकें।
3. स्वयं प्रभा डीटीएच चैनल- राष्ट्रीय मुक्त विद्यालय संस्थान द्वारा देश के बहुचर्चित अध्यापकों की टीम द्वारा स्वयंप्रभा डीटीएच चैनलों पर ऑनलाइन क्लासेज शुरू की है ताकि इस संस्थान में नामांकित 1.5 करोड़ विद्यार्थियों को कक्षा वार तथा विषय वार शिक्षा प्रदान की जा सके।इसके अतिरिक्त शारीरिक तथा मानसिक अपंगता से ग्रसित बच्चों अथवा मूकबधिर की शिक्षा को ध्यान में रखते हुए संकेतक विधि से पाठ्यक्रमों पर शिक्षण कार्य करवाया जा रहा है ताकि ऐसे बच्चों को भी शिक्षा से वंचित ना होना पड़े।
4. दीक्षा **Diksha app-** National council for teachers education द्वारा जारी किया गया एक एंड्राइड एप्लीकेशन है जिसके माध्यम से घर बैठे ही शिक्षा प्राप्त की जा सकती है। इस एप्लीकेशन द्वारा हिंदी अंग्रेजी तमिल तेलुगू तथा मराठी भाषा में शिक्षण कार्य संपन्न किया जा रहा है। इसके अंतर्गत यह व्यवस्था की गई है कि शिक्षण सामग्री को डाउनलोड करके मुद्रित किया जा सकता है।वर्तमान में इस एप्लीकेशन को देश के सभी राज्यों तथा केंद्र शासित प्रदेशों मैं प्रसारित किया जा चुका है। इसके द्वारा सीबीएसई, NCERT तथा सभी राज्य बोर्ड की शिक्षा प्राप्त की जा सकती है

5. सामुदायिक रेडियो और पॉडकास्ट का व्यापक उपयोग- शिक्षा व्यवस्था का यह साधन उन विद्यार्थियों के कल्याण हेतु क्रियान्वित किया गया है जो देश के दूरगामी अथवा इंटरनेट, स्मार्टफोन आदि की उपलब्धता से परे है। इसके तहत 12 ज्ञानवादी एफएम रेडियो चैनल तथा 60 सामुदायिक रेडियो स्टेशन की शुरुआत की गई है। इसके अंतर्गत कक्षा 1 से 12 तक के स्कूली पाठ्यक्रम को निम्न खंडों में विभक्त किया गया है।

- कक्षा 1 से 8 के लिए 303 खंडों में पाठ्यक्रम
- कक्षा 9 से 12 के लिए 289 खंडों में पाठ्यक्रम

6. "स्वयं " फ्री ऑनलाइन शिक्षा- राष्ट्रीय शिक्षा नीति के तहत भारत सरकार द्वारा स्वयं फ्री ऑनलाइन शिक्षा का क्रियान्वयन किया गया है जिसका उद्देश्य वंचित सहित अधिगम उद्देश्य की प्राप्ति के साधनों को उपलब्ध करवाना है। यह एक स्वदेशी निर्मित आईटी मंच का अविष्कार है । "स्वयं" में प्रदान किया जा रहा पाठ्यक्रम चार भागों में विभक्त किया गया है। जिसे देश भर में से चुने गए 1000 शिक्षकों तथा व्याख्याताओं द्वारा विशेष तौर पर निर्मित किया गया है।

- वीडियो व्याख्यान
- डाउनलोड अथवा मुद्रित की जाने वाली अध्ययन सामग्री
- विद्यार्थी के मूल्यांकन हेतु स्वमूल्यांकन परीक्षा
- शंकाओं के निदान हेतु विचार विमर्श

निष्कर्ष

अतः संपूर्ण अध्ययन का विश्लेषण करने के पश्चात यह कहा जा सकता है कि ऑनलाइन शिक्षा कोविड-19 कि इस वैश्विक महामारी के दौरान बहुत चर्चित शिक्षा रही है परंतु ऑनलाइन शिक्षा की अपनी चुनौतियों के कारण यह प्रत्येक सामाजिक वर्ग तक नहीं पहुंच पाई है हालांकि इस दिशा में कई सरकारी तथा गैर सरकारी संस्थाओं

द्वारा निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। स्कूली तंत्र की अनुपस्थिति में देश के भविष्य को किस प्रकार सुशिक्षित तथा समृद्ध बनाया जाए इस दिशा में एक राष्ट्रीय नीति का निर्वहन किया जाना आवश्यक है ताकि ऑनलाइन शिक्षा से वंचित ऐसे परिवारों तक भी शिक्षा को पहुंचाया जाए जिन्हें विभिन्न प्रकार की चुनौतियों के परिणाम स्वरूप शिक्षा से वंचित रहना पड़ गया है। ऑनलाइन शिक्षा की अवधारणा काफी गुणवत्तापूर्ण है परंतु अभी भी काफी सुधारों को अपनाए जाने की आवश्यकता है।

संदर्भ सूची

1. डॉ सीलवंत सिंह, डॉ कृति रस्तोगी, कोविड19- वैश्विक महामारी, प्रभात पेपरबैक्स
2. डा मनीष खरे, डा बबिता वर्मा, भारत में शिक्षा नीति की दशा एवं दिशा, श्री विनायक पब्लिकेशंस
3. रमेश पोखरियाल निशांक, चुनौतियों को अवसरों में बदलता भारत, प्रभात प्रकाशन